हरियालो सावन आयो दादी आज्यईयो

तर्ज=कान्हुडा◌ लाल घड़लो म्हारो ***

हरियालो सावन आयो दादी आजईयो
आजईयो माँ आजईयो

तीजां रो त्यौहार है आयो
थान बुलाऊं दादी चाव समायो
पोता पोती र आंगन आजईयो
हरियालो--------

मेहन्दी लगाऊं थार हाथां राचणी
सर पर उढा◌ऊं थान लाल ओढ़णी
चुड़ो पहनाऊं थान आजईयो
हरियालो-------
आंगन मं थारी खातिर झुलो घालुं
चुन चुन कलियां झुलो सजाऊं
हौले सुं झोटा देउं आजईयो
हरियालो--------
सखियां बुलाऊं थान भजन सुणासी
खीर बणाऊं म्हारो मन सुख पासी
लाड लडा◌ऊं थारा आजईयो
हरियालो--------
दादी म्हारी थारी याद सताव
मिलण री मन मं हुक घणी आव
उषा बुलाव थान आजईयो
हरियालो--------

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33045/title/Hariyalo-Sawan-aayo-dadi-aa-jaiyo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |